वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 203 | मंगलवार 19 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने की खेल एवं युवा मामले विभाग की समीक्षा

राजस्थान का युवा बेहद प्रतिभाशाली, खेलों में उपलब्ध करवाएंगे विश्वस्तरीय सुविधाएं

प्रदेश को खेलों में अग्रणी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

बजटीय घोषणाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें अधिकारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का युवा बेहद प्रतिभाशाली है तथा यहां की खेल प्रतिभाओं में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की क्षमता है। राज्य सरकार द्वारा खेल क्षेत्र में विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं जिससे खिलाड़ी प्रदेश का नाम गौरवान्वित करें। प्रदेश को खेलों में अग्रणी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में खेल एवं युवा मामले विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं के सर्वांगीण विकास एवं खेलों को बढ़ावा देने के लिए की गई सभी बजटीय घोषणाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए जिससे इन घोषणाओं एवं योजनाओं का फायदा हमारे प्रदेश के युवाओं एवं खिलाड़ियों तक जल्द से जल्द पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का नाम खेल के क्षेत्र में उन्नति के शिखर पर ले जाने के लिए मिशन ओलंपिक– 2028 की शुरूआत की गई है। इसके माध्यम से प्रदेश के 50 सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओलम्पिक खेलों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके लिए जयपुर में 100 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फोर स्पोर्ट्स का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसे शीघ्र पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद एवं राजस्थान युवा बोर्ड की कार्यप्रणाली, प्रत्येक संभाग पर युवा साथी केन्द्र स्थापित करने, महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने, टारगेट ओलंपिक पोडियम (टीओपी), राज्य युवा महोत्सव, पदक विजेताओं को आउट ऑफ टर्न नियुक्ति सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा भी की। बैठक में शासन सचिव खेल एवं युवा मामले डॉ. नीरज के पवन ने विभाग की बजटीय घोषणाओं की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान खेल एवं युवा मामले मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शीघ्र लाएंगे युवा एवं खेल नीति

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास, उन्हें प्रोत्साहित करने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए राज्य सरकार शीघ्र ही युवा नीति लाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण में भी खेलों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रदेश में प्रत्येक स्तर पर खेलों के प्रोत्साहन के लिए समुचित वातावरण तैयार किया जा रहा है। खेल के बुनियादी ढांचे के साथ विज्ञान, विश्लेषण, काउंसलिंग तथा पोषण को समावेश करते हुए खेल नीति-2024 भी तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इन दोनों नीतियों को अंतिम रूप देते हुए आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

'खेलो राजस्थान' से स्थानीय स्तर की प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

शर्मा ने कहा कि ''खेलो इंडिया'' यूथ गेम्स की तर्ज पर ''खेलो राजस्थान'' यूथ गेम्स आयोजित करवाए जाएंगे। इससे स्थानीय स्तर की प्रतिभाओं को तराशा जाएगा। ग्रामीण युवाओं को खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की दृष्टि से प्रथम चरण में 10 हजार की आबादी वाले 163 ग्राम पंचायतों का चयन किया जा चुका है। यहां ओपन जिम एवं खेल मैदान बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इनके निर्माण के साथ उचित रखरखाव भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्य राज्यों से समन्वय स्थापित कर खेलों के क्षेत्र में वहां चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, नीतियों, नवाचारों का अध्ययन करें जिससे राजस्थान को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

दिगम्बर जैन महासमिति मालवीय नगर संभाग का दीपावली स्नेह मिलन समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति मालवीय नगर संभाग का भव्य दीपावली मिलन एवं स्वागत-अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। मालवीय नगर संभाग के अध्यक्ष अजीत बड़जात्या ने बताया कि सदस्यों की काफी संख्या में उपस्थिति के मध्य मुख्य अतिथि के रूप में उमराव सांघी, समारोह के अध्यक्ष राजस्थान अंचल के निवर्तमान अध्यक्ष, शिरोमणि संरक्षक उत्तम कुमार पांड्या, राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार पांड्या, विशिष्ट अतिथी मुकेश पांड्या, सम्मानीय अतिथि अमोद-उषा, प्रदीप-प्रीति दीवान, दीपप्रज्वलन कर्ता राजकुमार- शशि जैन, चित्र अनावरणकर्ता जिनेन्द्र-सरिता जैन,राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल जैन रिटायर्ड, IPS, महासमिति महिला अंचल की अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला जैन, महामंत्री महावीर बाकलीवाल, कार्याध्यक्ष डॉ नमोकार जैन,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ विनोद शाह,राष्ट्रीय मेडिकल चेयरमेन एवं पश्चिम सभाग के अध्यक्ष निर्मल सांघी,अंचल के उपाध्यक्ष रूपेंद्र छाबड़ा,मंत्री अशोक लुहाडिया, शान्ति काला, प्रचार प्रसार मंत्री अनिल जैन ने गरिमामयी उपस्थिति दे कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। संगीतमय मंगलाचरण श्रीमती रुचिका एवं चारवी द्वारा नृत्य रूप में प्रस्तुत किया गया। अतिथियों के स्वागत-सम्मान के पश्चात संभागीय अध्यक्ष अजीत बड़जात्या ने उपस्थित सभी धर्मावलंबियों का अभिनंदन किया। नवगठित कार्यकारिणी के गठन के पश्चात संभाग में किये गए कार्यों का विवरण बताया तथा जैन धर्म की महिमा एवं संस्कार के बारे में उल्लेख किया। कोषाध्यक्ष अरुण काला ने जानकारी दी कि संभाग में पर्युषण पर्व में जिन त्यागी व्रतियों ने उपवास किये थे सबको तिलक, माल्यार्पण और दुपट्टा-शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया गया ।त्यागियों के सम्मान में धार्मिक मन्त्री रंजना बोहरा ने भावभरी प्रस्तुति दी ।इसी क्रम में नए बने विशिष्ट सदस्य जिनेन्द्र कुमार,नीलू काला,डॉ मिनाक्षी भारती,सुभाष जैन,राजकुमार गोधा,अशोक कुमार शाह का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि उमराव सांघी, राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र पांड्या,अंचल अध्यक्ष अनिल जैन ने अपने उदबोधन में मालवीय नगर संभाग के किये गए कार्यों की खूब सराहना की। अनिल जैन ने वर्ष 2025 को जैन संस्कृति संवर्धन वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की । समारोह में गणमान्य व्यक्तियों के अलावा प्रमोद जैन-जगतपुरा इकाई अध्यक्ष, अशोक -रश्मि जैन राजस्थान अंचल संचालक मंडल,महावीर जैन इकाई अध्यक्ष सिद्धार्थ नगर, समाज सेवी महेंद्र जैन ,नरेंद्र जैन, किरण जैन,मंजू छाबड़ा, प्रीति बाकलीवाल महिला प्रकोष्ठ मंत्री, शैफाली जैन सांस्कृतिक मंत्री,ललिता देवी, शकुन जैन, विमला देवी,रेणु बाकिवाला आदि ने गरिमामयी उपस्थिति दी। मंत्री विजय कासलीवाल ने सभी पधारे अतिथियों, सदस्यों, सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

प्राणी सेवा कार्यों के लिए कमल लोचन सम्मानित

जयपुर। प्राणी सेवा कार्यों के लिए 30 वर्षों से कार्य कर रहे एनिमल वेलफेयर एक्टिविस्ट कमल लोचन को सम्मानित किया। लोचन का यह सम्मान जस्टिस नगेंद्र जैन फाउंडेशन के बैनर तले समारोह तोतूका भवन में हुए समारोह में मुख्य अतिथि पद्म भूषण डीआर मेहता, संस्था अध्यक्ष जस्टिस एन के जैन, प्रोफेसर रमेश अरोड़ा, समाजसेवी संध्या काल आदि ने शॉल,माला,सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान सम्मानित किया। समारोह में अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया। अंत में ट्रस्टी मुदित जैन ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शेखावाटी अग्रवाल समाज के शिविर में 336 मरीजों की नेत्र जांच हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया

शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के बैनर तले संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के सौजन्य से 142 वाँ निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर रविवार को महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल सेक्टर 7 विद्याधर नगर जयपुर में आयोजित किया गया। जिसमे 336 मरीजों ने आंखों की जांच करवाई जिसमें 148 व्यक्तियों को चश्मे वितरण किए गए एवं 11 व्यक्तियों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। शिविर में संजय एण्ड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के प्रतिनिधि कमलनयन बागला, संस्था के सदस्य नथमल बंसल, अनिल कुमार सिंगडोदिया , सुरेश सिंगडोदिया, राम सुंदर जयपुरिया, अरुण काबरा, गौरव सराफ, शिवरतन बाजोरिया, शिव कुमार जालान, दिलीप अग्रवाल, अनिल शर्मा , मुकेश मीणा व नाथू उपस्थित हुए।

श्री युगल शतक के पाठ से निहाल हुई संगत

निंबार्क भगवान की उतारी महाआरती

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री निंबार्क जयंती महोत्सव में सोमवार को श्री आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर में युगल शतक पाठ किए गए। साथ ही श्री राधा सर्वेश्वर भगवान की महाआरती की गई। कार्यक्रम में सर्वेश्वर संसद और श्री निम्बार्क सत्संग मंडल से जुडे परिकरों ने निम्बार्क जन्म की बधाइयों से स्रोताओं को आनंदित किया। कार्यक्रम के अंत में भक्त जनों ने मंदिर परिसर में पंगत प्रसादी पाई। **56 भोग की झाकी के साथ डांडिया रास आज:** समारोह के तहत 19 नवम्बर को सायं 5बजे श्री निम्बार्क महिला मंडल की ओर से ठाकुजी की 56 भोग की झाकी सजाई जाएगी। साथ ही बधाई गान और डांडिया रास का आयोजन होगा। महोत्सव के तहत 20 नवम्बर को श्री निम्बार्क महिला मंडल व प्रसिद्ध गायक मंडल बधाई गायन और भजन संध्या के कार्यक्रम होंगे। महोत्सव के अंतिम दिन 21 को दोपहर 3बजे बधाई गान व साम 6बजे छठी महोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर स्थानीय भजन मंडलिया भजनों से ठाकुर जी को रिझाएंगे।

झण्डारोहण के साथ कल्प द्रुम महामण्डल विधान का हुआ आगाज

समोवशरण से होती है सुख एवं मोक्ष की प्राप्ति : मुनि समत्व सागर

मंदिर से पांडाल तक निकली भव्य शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर थाना सर्किल के चित्रकूट कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि समत्व सागर महाराज एवं मुनि शील सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आठ दिवसीय कल्पद्रुम महामण्डल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का झंडारोहण के साथ शुभारंभ हुआ। मंदिर समिति मंत्री अनिल जैन काशीपुरा ने बताया कि सुबह मंदिर में अभिषेक, पूजा के बाद मुनिश्री की अगुवाई में भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो टोंक रोड, मियाँ बजाज गली, फूल कॉलोनी होते हुए कार्यक्रम स्थल कँवर का बाग राजग्रही नगर में जाकर धर्म सभा में परिवर्तित हुई । जुलूस में भगवान के त्रयोदशी जिनालय के साथ हाथी, घोड़ा, बग्गी के साथ पालकी लेकर केसरिया वस्त्र धारण किए श्रद्धालु भगवान के जयकारे लगाकर नाच गाने करते हुए भक्ति कर रहे थे। जुलूस मार्ग में जगह जगह जैन धर्मावलम्बियों द्वारा मुनि श्री का पाद प्रक्षालन व मंगल आरती की गई। अध्यक्ष केवल चंद गंगवाल ने बताया कि विधान स्थल पर विधि विधान से शान्ति देवी, अशोक सोगानी द्वारा झण्डारोहण किया गया। पाण्डाल का लोकार्पण कमल जैन झांझरी द्वारा किया गया। मुनि समत्व सागर महाराज ने प्रवचन में कहाँ कि जिन दर्शन में चौबीस तीर्थंकरों के समोवशरण का वर्णन है तथा समोवशरण से ही जिन शासन का प्रादुर्भाव होता है। तीर्थों की स्थापना होती है। उन्होंने कहाँ कि समोवशरण में मंगल भावना से जिनेंद्र भगवान की आराधना करने से न केवल जीवन में उत्कर्षता आती है बल्कि जीवन धन्य हो जाता है जिससे असीम सुखों के साथ मोक्ष की प्राप्ति होती है। इससे पूर्व मन्त्रोच्चार के साथ समोवशरण में भगवान को विराजमान कर अभिषेक, शांति धारा की गई। सरलीकरण के साथ विधान की क्रियाएं संपन्न की गई । विधानाचार्य विकर्ष शास्त्री के सानिध्य में विधान के चक्रवर्ती कैलाश चन्द - राजेश देवी सोगानी, सौधर्म इन्द्र मूल चन्द - शांति देवी पाटनी, धनपति कुबेर केवल चन्द - संतोष देवी गंगवाल, महायज्ञ नायक पदम चन्द - चन्द्र कांता सिंघल के नेतृत्व में विधान की प्रारंभिक पूजन की गई।

धर्मार्थ औषधालय का हुआ लोकार्पण

मुनि समत्व सागर महाराज के सानिध्य में कमलादेवी, कैलाश चंद सोगानी परिवार की और से निर्मित धर्मार्थ औषधालय का भी लोकार्पण किया गया। संयोजक ओमप्रकाश कटारिया ने बताया कि विधान में मंगलवार को अभिषेक, शांतिधारा के बाद विधान प्रारंभ होगा तथा मुनिश्री के प्रवचन होंगे। शाम को महा आरती के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष बाबू लाल बिलाला एवं कोषाध्यक्ष सत्य प्रकाश कासलीवाल के मुताबिक विधान पूजा में मंगलवार 19 नवम्बर से मंगलवार 26 नवम्बर तक प्रातः अभिषेक, शांतिधारा, विधान पूजा, मुनि द्वय के मंगल प्रवचन होंगे। सायंकाल 6 बजे से गुरूभक्ति, आरती, प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे जिनमें महिला मण्डल एवं नवयुवक मण्डल के सदस्यों द्वारा नृत्य, नाटक आदि की प्रस्तुति दी जाएगी। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा एवं महावीर सुरेन्द्र जैन के मुताबिक बुधवार, 27 नवम्बर को विधान का समापन, विश्व शांति महायज्ञ विर्सजन के बाद मंदिरजी तक विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी।

-विनोद जैन कोटखावदा

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाला पट्टाचार्य महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका भेंट की

सुमति धाम भक्त परिवार ने गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी संध से लिया आशीर्वाद

निवाई. शाबाश इंडिया। उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित सहस्त्र कूट जिनालय विज्ञा तीर्थ गुन्सी में समाधिस्थ गणाचार्य विराग सागर महाराज की ज्येष्ठ शिष्या भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी संध को इन्दौर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पट्टाचार्य महोत्सव के लिए सुमति धाम भक्त परिवार के श्रद्धालुओं ने निवेदन कर आमंत्रण दिया। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि गणाचार्य विराग सागर गुरुदेव के संघ की दीक्षीत गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी संध को जयघोष के साथ ब्रह्मचारी पीयूष भैया, जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष सुनील भाणजा रिटायर्ड अधिशासी अभियन्ता अशोक जैन प्रवक्ता विमल जौंला राजेश बनेठा एवं आयोजक सुमति धाम भक्त परिवार इंदौर द्वारा पूज्य माताजी के कर कमलों में पट्टाचार्य महोत्सव कार्यक्रम की आमंत्रण पत्रिका भेंटकर पूज्य माताजी से मंगल आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि 27 अप्रैल से 2 मई 2025 तक आयोजित होने वाला अन्तर्राष्ट्रीय पट्टाचार्य महोत्सव सुमति धाम गोधा एस्टेट इन्दौर मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह आयोजन 27 अप्रैल से 2 मई को विश्व में पहली बार इन्दौर में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज को पट्टाचार्य पद देकर महोत्सव मनाया जाएगा जिसमें देश विदेश से सैकड़ों दिगम्बर जैन संत एवं लाखों श्रद्धालुओं के आने की सम्भावना है। जिसकी तैयारियां जोरों पर चल रही है। सोमवार को सुमति धाम भक्त परिवार का विज्ञा तीर्थ गुन्सी में पहुंचने पर कमेटी द्वारा राजस्थानी परम्परा अनुसार स्वागत किया।

वेद ज्ञान

मानवता में वृद्धि करने वाला हो विकास

विकास आज सबसे अधिक चर्चित शब्द है। प्रायः सभी लोगों को इसके बा आकर्षण के प्रति आंदोलित हुए देखा जा सकता है। बड़ा व सुविधायुक्त घर, गाड़ी, आभूषण व विलासिता की अन्य वस्तुओं का संग्रह विकास के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। जबकि विकास का व्यावहारिक पक्ष अत्यन्त सादगीपरक व जीवन की मूलभूल आवश्यकताओं के उपभोग तक सीमित होना चाहिए। विकास की सत्यता को सद्गुणों, सद्विचारों पर चलने वाला ही समझ पाता है। प्रतिदिन मानवीय जीवन में एक नवीन व कल्याणकारी विचार को स्थान दिया जाए तो विकास है। शिक्षा के गुणसूत्र विद्यार्थी जीवन में भलीभांति प्रतिष्ठित होते हैं तो समाज को श्रेष्ठ विचारक मिलेंगे। विचारकों का दृष्टिकोण विकास के प्रति सदैव संतुलित रहता है। वे विकास को बढ़ाने वाले ज्ञान-विज्ञान के पक्षधर होते हैं। जहां ज्ञान-विज्ञान का विस्तार अभिशापित होना प्रारंभ हुआ, वहां विकास के वास्तविक विचारकों का अभाव होता है। विकास किसका होना चाहिए? वस्तुओं या उनका उपभोग करने की व्यवस्थाओं का या फिर वस्तु निर्माताओं, प्रयोक्ताओं के व्यक्तित्व का? अपने अस्तित्व के प्रादुभाव से ही मनुष्य अपनी विकास आकांक्षा के प्रति अतिजिज्ञासु रहा है। समझना यही है कि सबसे उपयुक्त व्यक्ति विकास को किस रूप में स्वीकार करता है? क्या वह अपने चारों ओर स्थूल सामग्रियों का अंबार लगाना चाहता है? या युगचक्र की गति के साथ-साथ अपने विचारों को भी बढ़ाना चाहता है? वास्तव में सामग्रियों की अधिकांश उपलब्धता और उनके अनुचित प्रयोग की मानवीय प्रवृत्ति को विकास धारणा के अंतर्गत शुमार नहीं किया जा सकता। सच तो यह है कि विकास व्यक्ति के विचारों का विस्तार है। व्यक्ति अपने जीवन में इतनी विचारशक्ति अर्जित करे कि वह जीवन की सहजता को आत्मसात करने योग्य हो सके। वह छोटे बच्चों को जीवन की इस विद्या का अनुकरण करने की शिक्षा दे। विकास की आध्यात्मिक व्यवस्था मनुष्य को जीवन के सर्वोच्च लक्ष्य तक पहुंचने में सबसे बड़ा कारक हो सकती है।

संपादकीय

ग्रामीण अर्थव्यवस्था संकट में

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) जैसी संस्था द्वारा सरकार से गरीबों की सब्सिडी बढ़ाने की मांग करना कोई सामान्य बात नहीं है। वित्त मंत्रालय को भेजे बजट पूर्व सिफारिशों में सीआईआई ने अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने के लिए गरीब परिवारों को 'उपभोग वाउचर' देने की सलाह दी है। उसने मनरेगा के तहत मजदूरी में 40 फीसदी और किसानों को मिलने वाले पीएम- किसान नकद हस्तांतरण में 33 प्रतिशत की वृद्धि का भी सुझाव दिया है। यहां मुद्दा यह नहीं है कि ये सिफारिशें कितनी प्रासंगिक हैं, मूल मसला भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा अर्थव्यवस्था का आकलन करना है। यह बात मानी जा चुकी है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था संकट में है। अर्थव्यवस्था के अच्छा प्रदर्शन करने के तमाम दावों के बावजूद उद्योग परिसंघ के आकड़े ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बदहाली के संकेत देते हैं। सीआईआई की सिफारिश यह भी बताती है कि मांग की कमी अब सिर्फ गांवों का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि इसकी जद में पूरी अर्थव्यवस्था है। ऑटोमोबाइल और अन्य वस्तुओं की बिक्री के आंकड़े बताते हैं कि निजी खपत में कमी अर्थव्यवस्था की कमजोरी बनी हुई है। ग्रामीण मांग का एक प्रमुख संकेतक अस्थायी श्रमिकों का वेतन है। श्रम ब्यूरो के नए आंकड़े पिछले साल ग्रामीण वेतन में मामूली सुधार की ओर इशारा करते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, कृषि श्रमिकों का वेतन 2.1 प्रतिशत, तो गैर कृषि कार्यों में लगे श्रमिकों की आमदनी 1.8 फीसदी बढ़ी है। मगर लंबे समय तक इस वेतन में ठहराव को देखते हुए यह वृद्धि नाकाफी है। पूर्व के पांच साल की तुलना में, पिछले पांच वर्षों में गांवों में खेती-किसानी में लगे मजदूरों का वेतन 0.1 फीसदी सालाना की दर से ही बढ़ा है, जबकि गैर-कृषि कार्यों में लगे श्रमिकों का वेतन एक फीसदी सालाना की दर से घटा है। लिहाजा, पिछले साल की वृद्धि ने आय संकट की गंभीरता को कम जरूर किया है, पर यह इतना नहीं है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक दशक लंबे संकट के दौर से उबार लाए। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के हालिया अनुमान अर्थव्यवस्था में ढांचागत बदलाव की अनिवार्यता बताते हैं, क्योंकि यह लगातार पांचवां वर्ष है कि श्रम का पलायन कृषि की ओर होता दिख रहा है। आलम यह है कि सभी श्रमिकों (नियोक्ता के लिए काम करने वाले कामगार) की वास्तविक मजदूरी 2017-18 और 2022-23 के दौरान 0.7 फीसदी सालाना की दर से ही बढ़ी है। इसकी मूल वजह भी ग्रामीण क्षेत्रों में 1.7 फीसदी की वृद्धि है, वरना शहरी वेतनभोगी श्रमिकों ने 2011-12 से अपनी वास्तविक आय में प्रतिवर्ष 0.5 फीसदी की गिरावट ही देखी है। असंगठित उद्यमों और किसानों की आय के आंकड़े भी उतने ही निराशाजनक हैं। साफ है, ग्रामीण संकट के रूप में जिस समस्या की शुरूआत हुई, वह अब राष्ट्रव्यापी बन गई है। घटती या स्थिर आय के संकट ने समग्र अर्थव्यवस्था में निजी उपभोग की मांग घटा दी है। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बाकू में भारत

आज जब दक्षिण एशिया का एक बड़ा हिस्सा प्रदूषण से पीड़ित है, तब अजरबैजान के शहर बाकू में आयोजित कॉप29 का सम्मेलन ऐतिहासिक होता जा रहा है। भारत के रुख की वहां प्रतीक्षा हो रही थी, जो अब सामने आ गया है। बाकू में जलवायु वित्त पर उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान, भारत के प्रमुख वार्ताकार नरेश पाल गंगवार ने दोटूक दोहरा दिया कि विकसित देशों को साल 2030 तक हर साल कम से कम 1.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर प्रदान करने या जुटाने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। वास्तव में ग्लोबल साउथ या विकासशील या वंचित देशों को सहारा देने के लिए विकसित देशों को सामने आना चाहिए, ताकि ये देश प्रदूषण के खिलाफ लड़ने के लिए ज्यादा सक्षम बन सकें। भारत ने साफ कहा है कि हम जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अपनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गए हैं। हम यहां जो फैसला लेंगे, वह हम सभी को, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ में रहने वालों को महत्वाकांक्षी प्रदूषण शमन कार्रवाई करने में सक्षम बनाएगा। भारत ने दुनिया को फिर याद दिलाया है कि चरम मौसम की घटनाएं बार-बार और तेजी से बढ़ रही हैं, उनका प्रभाव पूरे विकासशील विश्व के लोगों पर ज्यादा महसूस हो रहा है। बहरहाल, प्रदूषण फैलाने वाले उपायों या साधनों से बचने के लिए जो पैसा चाहिए, क्या विकसित देश यह पैसा देने के लिए तैयार हो जाएंगे? इसमें कोई शक नहीं कि जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए तमाम देशों को सक्रिय होना पड़ेगा। विकसित देशों ने चूंकि संसाधनों और पर्यावरण का भयंकर दोहन किया है, इसलिए उनकी जिम्मेदारी ज्यादा है। जलवायु परिवर्तन के पेरिस समझौते में ही यह स्पष्ट हो गया था. कि जलवायु वित्त विकसित देशों को ही देना या जुटाना है। अब समस्या यह आ रही है कि विकसित देश किसी नए समझौते के पक्ष में हैं, जिसके अनुसार, केवल अमीर देश ही धन खर्च नहीं करेंगे। अगर विकसित देशों की इस मांग को मान लिया जाए, तो शायद दुनिया में लंबे समय के लिए यह तय हो जाएगा कि कौन देश सदा अमीर रहेंगे और कौन देश बहुत लंबे समय तक गरीबी या अभावों से जूझते रहेंगे। भारत स्वाभाविक ही पेरिस समझौते से अलग किसी अन्य समझौते के लिए तैयार नहीं है। भारत ने पूरी निडरता से बाकू में रेखांकित किया है कि अपनी मौजूदा वित्तीय और तकनीकी प्रतिबद्धताओं के बारे में विकसित देशों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। 100 अरब डॉलर जुटाने की प्रतिबद्धता 15 साल पहले 2009 में तय की गई थी, पर हम लक्ष्य से दूर रहे। दुनिया बाकू की ओर उम्मीद से देख रही है। 11 नवंबर से 22 नवंबर तक चलने वाले सम्मेलन में किसी नए वित्त लक्ष्य की उम्मीद की जा सकती है और इसके साथ ही, विकसित देशों के ज्यादा समर्पित रुख का भी इंतजार रहेगा। पर्यावरण सुधार के लिए अन्य विकल्पों पर भी विचार करना होगा। आज से तीन दशक पहले ग्लोबल गांव का सपना देखा गया था, यह सपना ज्यादा साकार न हुआ। विकसित देश अगर जलवायु सुधार के लिए धन खर्च करने को तैयार नहीं हैं, तो उन्हें कम से कम अपने दरवाजे अन्य देशों के नागरिकों के लिए ज्यादा उदारता से खोलने चाहिए। यह एक समाधान हो सकता है। पृथ्वी को बचाना सार्वजनिक लक्ष्य है, अतः किसी न किसी प्रकार से पृथ्वी पर बसे लोगों को भी परस्पर बेहतर सहयोग का प्रदर्शन करना होगा। तय है, हम मिलकर ही पर्यावरण और पृथ्वी को बचा पाएंगे।

जीवन की सुरक्षा होने पर ही आप धर्म और समाज परिवार की रक्षा कर धर्म प्रभावना कर सकते हैं : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

पारसोला. शाबाश इंडिया

धर्म नगरी पारसोला में सर्वतोभद्र महा मंडल विधान के दौरान पूजन आचार्य वर्धमान सागर जी के संघ सानिध्य में उत्साह , भक्ति नृत्य पूर्वक हो रही है। महा मंडल प्रारंभ 13 तारीख से प्रारंभ हुआ अभी तक पूजन में अर्घ्य प्रतिष्ठाचार्य कीर्तिश, पंडित अशोक के निर्देशन में समर्पित किये गये। ब्रह्मचारी गजु भैया एवं राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने प्रवचन में बताया कि सात प्रकार के भय बताए गए हैं जिसमें मृत्यु भी एक भय है। जीवन की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कवर हेलमेट जरूरी है जीवन सुरक्षित रहने पर ही आप धर्म और पुण्य अर्जित कर सकते हैं जीवन सुरक्षित रहने पर ही आप धर्म और पूर्ण कर सकते हैं मृत्यु के समय जैसे भाव और परिणाम होते हैं उसके अनुसार आपकी अगली आयु का गति का बंध होता है मनुष्य और जैन धर्म आपको पिछले जन्मों के पुण्य से प्राप्त हुआ है इसलिए इस गति जीवन में आत्मा की सुरक्षा जरूरी है ,जीवन की सुरक्षा होने पर आप धार्मिक अनुष्ठान, धर्म प्रभावना समाज की कर सकते हैं। जयंतीलाल कोठारी अध्यक्ष जैन समाज ऋषभ पचौरी अध्यक्ष वर्षायोग समिति अनुसार जीवन की सुरक्षा के लिए हेलमेट आचार्य श्री सानिध्य में अहमदाबाद की सेवा भावी संस्था द्वारा वितरित किए गए सभी को हेलमेट पहनने के लिए आचार्य श्री के समक्ष संकल्पित कराया गया। जैन समाज के सुप्रसिद्ध भामाशाह आरके मार्बल ग्रुप किशनगढ़ के श्रीमति तारिका विमल जी पाटनी आरके मार्बल किशनगढ़ आज आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के दर्शन करने के लिए परिवार सहित पारसोला पधारे जहां पर समाज ने उनका सम्मान किया। -राजेश पंचोलिया इंदौर

गुलाबीनगर ग्रुप का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबीनगर ग्रुप का दीपावली मिलन समारोह 17 नवंबर को कान्हा- तनसुख ,जगतपुरा में बहुत ही उल्लास आनंद के साथ संम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक श्रीमती मंजू राजेन्द्र छारेड़ा व श्रीमती शशि कैलाश पाटनी ने दीपावली से संबंधित हाउजी व गेम खिलाया व कार्यक्रम को बहुत ही शानदार तरीके से सम्पन्न कराया। गेम के विजेता श्रीमती ममता काला व श्रीमती सुनीता कासलीवाल को पारितोषिक दिया गया। नरेन्द्र विनिया जैन, प्रकाश रजनी कासलीवाल, सुरेन्द्र सूर्यकांता डिग्गीवाल की शादी की सालगिरह पर ग्रुप के सदस्यों ने शुभकामनाएं दी। अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या ने फेडरेशन द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय युवक युवती परिचय सम्मेलन के बारे में विस्तृत रूप से बताया तथा कहा कि समाज की बेटी समाज मे रहे के लिये फॉर्म भरने के लिये कहा। आज के कार्यक्रम में ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष अनिल शशि जैन, सरंक्षक सुरेन्द्र मदुर्ला पांड्या ने विशेष रूप सम्मलित हुये। अध्यक्षा सुशीला विनोद बड़जात्या ने आज के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये सभी सदस्यों का आभार व धन्यवाद दिया।

स्वस्थ जीवन के लिए सम्यक योग का महत्वः डॉ पीयूष त्रिवेदी

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजकीय आयुर्वेद योग एवं नेचुरोपैथी कॉलेज प्रतापनगर जयपुर में इंडक्शन प्रोग्राम 2024 का आयोजन किया गया जिसमें डॉ पीयूष त्रिवेदी मर्म चिकित्सा विशेषज्ञ मुख्य वक्ता के रूप आमंत्रित रहे। डॉ त्रिवेदी ने समस्त स्टुडेन्टस को आयुर्वेद एवं मर्म चिकित्सा की बैसिक जानकारी प्रदान करते हुए छात्रों की हौसला अफजाई की एवं समर्पित भाव से आयुर्वेद को जन जन तक पहुंचाने का संदेश देते हुए आयु का महत्व बताते हुए स्वस्थ जीवन के लिए जीवन में सम्यक योग को महत्व दिये जाने पर विस्तृत जानकारी प्रदान करने के साथ ही आज के प्रदूषण युक्त वातावरण में सभी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रखते हुए मिनिमम मेडिसीन के साथ स्वस्थ जीवन जीने की कला पर जानकारी प्रदान की गई । इस अवसर पर सेमिनार में उपस्थित समस्त छात्र छात्राओं को मर्म चिकित्सा का कर्माभ्यास कराया गया।

आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज के सानिध्य में पक्षी घर का हुआ लोकार्पण

असहाय,असुरक्षित के लिए सबसे पहले सोचने वाला ही मनुष्य हैः प्रज्ञासागर महाराज

झालरापाटन. शाबाश इंडिया

रविवार को सकल दिगम्बर जैन समाज एवं नगरपालिका झालरापाटन के तत्वावधान में स्थानीय चौपाटी के नजदीक पक्षी घर का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। लोकार्पण समारोह में आयोजित धर्म सभा को संबोधित करते हुए कल्पतरु पार्श्वनाथ धाम प्रणेता 108 आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा कि इस सृष्टि में अनंत जीव हैं जिसमे मनुष्य निराला प्राणी हैं।मनुष्य अपने लिए ही नही अपनो के लिए भी सोचता हैं।मनुष्य, असहाय, असुरक्षित के लिए सबसे पहले सोचना वाला ही मनुष्य हैं। पशु पक्षियों की भी अपनी जिंदगी होती हैं। सुबह होते ही भोजन की तलाश में निकल जाते हैं और जितना मिले उतना खाकर शाम को घोसलों की ओर प्रस्थान कर जाते हैं। जिन्हें सिर्फ पेट की चिंता होती हैं,वह पशु पक्षी होता हैं परन्तु जिन्हें दुसरो की परवाह होती हैं,वह मनुष्य होता हैं। मनुष्य स्वयं भूखा रहकर दूसरों की भूख मिटाते हैं वह मनुष्य कहलाता हैं। खाना, पीना,मौज मस्ती यह पशुव्रत जिंदगी हैं।भारतीय संस्कृति एवं दर्शन में मनुष्य बेजुबान पशु पक्षियों के लिए पहले व्यवस्था करता हैं। अहिंसा को अपनाकर धर्म का मार्ग प्रशस्त करे प्रज्ञासागर जी महाराज ने कहा कि एक व्यक्ति यह ठान ले कि सिर्फ एक व्यक्ति को शाकाहारी बनाना हैं तो सारा संसार अहिंसावादी हो सकता हैं पालिका के कार्यों की सराहना आचार्य 108 प्रज्ञासागर जी महाराज ने कहा कि बेजुबान पशुओं के लिए गौशाला, नंदीशाला,पक्षीघर का निर्माण शीघ्रता से करवाकर बेजुबान पशु पक्षियों के लिए मन में दया,करुणा एवं प्रेम का भाव हैं। इसलिए यह संभव हो पाया हैं। पालिका द्वारा किए गए कार्यों से नगर में अच्छा संदेश हैं। पक्षियों की रक्षा मनुष्य का धर्म उन्होंने जीव हत्या पर कटाक्ष करते हुए कहा कि संसार में कुछ जीव दया के लिए पक्षियों के लिए घर बना रहे हैं और कुछ पक्षियों को जाल में फसा रहे हैं। कुछ मारने वाले तो कुछ बचाने वाले हैं। नगरपालिका अध्यक्ष वर्षा मनीष चांदवाड ने कहा कि महाराज जी के चातुर्मास से नगर में विकास की धारा बहने लगी हैं। महाराज की प्रेरणा से चारों ओर खुशहाली महक रही हैं। एक विशाल तीर्थ कल्पतरु पार्श्वनाथ धाम,अहिंसा सर्किल,पक्षीघर जैसे कार्य हुए। जीवन पर्यंत शाकाहारी रहने का लिया संकल्प भा.ज.पा. मंडल अध्यक्ष महेश बटवानी, पूर्व पार्षद बालचंद मेघवाल ने आचार्य प्रज्ञा सागर जी की प्रेरणा से जीवन पर्यन्त शाकाहारी रहने का संकल्प लिया। 2500 पक्षियों को आश्रय मिलेगा मनीष चांदवाड ने बताया कि 7 मंजिला पक्षीघर से 2500 पक्षियों को आश्रय मिलेगा और इसकी लागत 10 लाख रुपये आयी हैं।इसके पश्चात महाराज श्री द्वारा स्वास्तिक बनाकर पक्षी घर का अनावरण किया। जीव दया की महत्ता बताई बड़ोदा निवासी रूपेन हुमड ने जीव दया का महत्व बताया और नगरपालिका प्रशासन व दिगम्बर जैन समाज का आभार व्यक्त किया। ये भी रहे मौजूदः भारत विकास परिषद अध्यक्ष पवन शर्मा,सचिव जगदीश गुप्ता,पूर्व व्यापार संघ अध्यक्ष विजय मेहता,कपड़ा व्यापार संघ अध्यक्ष योगेश झड़िया,भा ज पा मंडल उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सेठी, दीपक शर्मा,पोरवाल समाज अध्यक्ष जगदीश गुप्ता,मुकेश चेलावत,खाद्य एवं तिलहन व्यापार संघ सचिव विजय मुंदड़ा, पार्षद महेश शर्मा,अर्जुन यादव, अंशु गुप्ता,अजय कुशवाह,पंकज वैष्णव, हुकुम प्रजापति,बालचंद मेघवाल,मुन्ना गुर्जर, नितेश परमार,मधुसूदन शर्मा,अशोक पालीवाल, सुनील घाटिया,अजय घाटिया, पदम अग्रवाल,ओम माहेश्वरी सहित सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन यशोवर्धन बाकलीवाल ने किया।

-संकलन अभिषेक जैन लुहाड़िया

साहित्य में नया प्रतिमान गढ़ा है 'स्त्री और प्रेम' ने: कुसुम तिवारी

डॉक्टर नीलिमा पांडेय जी का ये काव्य संग्रह 'स्त्री और प्रेम',क्षणिकाओं का अद्भुत संग्रह है। नारी मन की व्यथा और खुशी का जीता जागता संग्रह है 'ये स्त्री और प्रेम'। कम शब्दों में गहरी बात कह देने की कलात्मक अभिव्यक्ति का अनूठा दस्तावेज है ये काव्य संग्रह। इन छोटी छोटी क्षणिकाओं में कवयित्री ने स्त्री और प्रेम के मनोभावों को स्वर दिया है। प्रेम बिना स्त्री और स्त्री बिना प्रेम ऐसा ही है जैसे पानी बिन मीन।दोनों ही एक दूसरे के बगैर अधूरे हैं। दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक को दूजे से अलग करके देखना ऐसा ही है जैसे आँखों से ज्योति। शीर्षक की सार्थकता पर ये काव्य संग्रह खरा उतरता है। सृष्टि निर्माण के मूल में प्रेम समाया हुआ है ।परम पुरुष और सृष्टि के मिलन से संसार की रचना हुई। सृजनात्मक प्रवृति के कामना स्वरूप प्रकृति के कण -कण में प्रेम, स्नेह, उदारता और ममता समाई हुई है। प्रेम न होता तो दो व्यक्तियों और समाज के बीच उदात्तता का भाव न जन्मता। प्रेम ही वह भाव है जो हृदय से हृदय को जोड़ता है। 'स्त्री और प्रेम', काव्य संग्रह इस कसौटी पर खरा उतरता है। पात्रों की बात की जाए तो इस काव्य संग्रह की मुख्य पात्र स्त्री ही है जो कई रूपों में हमारे सामने आती है। पत्नी, प्रेमिका,अभिसारिका गृहणी सखी, माँ, बहन, बेटी, कामकाजी महिला और सबसे बढ़कर नारीत्व के गुणों से परिपूर्ण एक संपूर्ण स्त्री। अपने विभिन्न रूपों में ये स्त्री प्रेम को परिभाषित करती है। वैसे तो प्रेम की कोई परिभाषा नहीं होती लेकिन भावनाओं की अभिव्यक्ति को समझने के लिए कभी-कभी शब्दों की सीमा बांधनी ही पड़ती है। गाँव से लेकर शहर तक कि दौड़ में स्त्री अपने व्यवहार और व्यक्तित्व के विभिन्न कलेवर समेटे हमारे सामने उपस्थित हुई है। जहां ग्रामीण स्त्री दिखाई गई वहां उसकी बोली और भाषा पर ग्रामीण मिट्टी का जबर्दस्त प्रभाव दिखाई दिया है। आंचलिक बोली में अपने दर्द का बयान करते हुए नायिका का दर्द कुछ इस तरह दशार्या गया है....

आँख की बरौनी
टूटकर जब भी गिरी
मैंने तुरंत तुमको मांग लिया
बरौनी बीड़र हो गई....या फिर ....

कोई भूल न हो जाए इस बात से डरी
सभी महिलाएं, सोते समय
अपने सिर के नीचे कजरौटा रखती हैं.....कवयित्री ने परिवेश के मुताबिक भाषा का चयन किया।गाँव से चलकर स्त्री जब नगर के वातावरण में अथोर्पार्जन की जद्दोजहद से गुजरती है तब भी वो प्रेम भाव नहीं छोड़ती।अपनी स्वाभाविक ऊर्जा से ओतप्रोत वह ट्रेन की भीड़ में भी खुशियाँ बिखेरती दिखाई देती है.....
घर और ऑफिस के
बढ़ते लोड दबाव को
सखियों के साथ
अंताक्षरी खेलकर
कम करती हैं स्त्रियाँ....

स्त्रियाँ कहीं भी रहें, किसी भी हाल में रहें प्रेम स्नेह की गंगा बहाना नहीं भूलती हैं ।यह उनका स्वाभाविक गुण है। हँसते-हँसत तकलीफ को जी सकने की हिम्मत देती ये स्त्रियाँ स्त्री और प्रेम,की वो नायिकायें हैं जिन्होंने हर कदम पर अपने स्नेह ,ममता से दर्द पर फाहा रखा है। इस अद्भुत काव्य संग्रह के लिए डॉक्टर नीलिमा पांडेय को हार्दिक बधाई। आप सहित्य में नित्य नए प्रतिमान गढ़े। ईश्वर आपकी साहित्यिक यात्रा को ऊँचाई पर ले जाये। पुनश्च एक बार आपको इस काव्य संग्रह 'स्त्री और प्रेम', के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

-कुसुम तिवारी झल्ली

समलिंगिक विवाह भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात

भारत में प्राचीन परंपरा व्यक्ति के जीवन से मृत्यु तक सोलह संस्कारों की रही है। सोलह संस्कारों में शुभ विवाह को पाणिग्रहण संस्कार कहा जाता है। लगभग सभी समाजों में युवक एवं युवती की जन्म कुंडली गृह नक्षत्रों के मिलान कर ही शुभ विवाह करने का प्रावधान है।

विजय कुमार जैन राघौगढ़ म.प्र.

भारत की सर्वोच्च न्यायालय में वर्तमान में समलिंगिक विवाह को मान्यता देने के प्रकरण पर विचार चल रहा है। इस विषय पर समलिंगिक विवाह के पक्षधर लोगों द्वारा यह दलील दी जा रही है कि समलिंगिक लोगों को विवाह का अधिकार नहीं देना समानता के अधिकार का उल्लंघन है। विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अंतर्गत केवल महिला और पुरुष को एक दूसरे से विवाह के करने की स्वीकार्यता का प्रावधान है। मामले को न्यायालय में ले जाने वालों की दलील है कि इस प्रावधान का जैडर न्यूट्रल होना चाहिए। केंद्र सरकार का स्पष्ट कहना है कि ऐसा कोई अधिकार उसे विवाह की परिभाषा बदलने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। इस प्रकार की शादी को मान्यता दी गई तो समाज पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। इससे कई अन्य कानूनों के प्रावधान भी प्रभावित होंगे। सरकार के साथ ही समाज में भी बड़ा वर्ग है जो इस तरह के विवाह को मान्यता दिए जाने का विरोध कर रहा है। लगभग सभी का तर्क यही है कि इससे समाज में परिवार नाम की संस्था के अस्तित्व पर संकट आएगा। समाज का ढांचा प्रभावित होगा। उनका कहना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक आधार पर भी समलिंगिक विवाह को स्वीकार्यता मिलना संभव नहीं है। अदालत में सुनवाई के साथ कई समूहों ने इसका विरोध करना भी शुरू कर दिया है। ऐसे में समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की स्थिति में आने वाले वैधानिक संकट और समाज पर इससे पड़ने वाले प्रभावों की पड़ताल हम सभी के लिए बड़ा मुद्दा है। भारत में प्राचीन परंपरा व्यक्ति के जीवन से मृत्यु तक सोलह संस्कारों की रही है। सोलह संस्कारों में शुभ विवाह को पाणिग्रहण संस्कार कहा जाता है। लगभग सभी समाजों में युवक एवं युवती की जन्म कुंडली गृह नक्षत्रों के मिलान कर ही शुभ विवाह करने का प्रावधान है। जैन दर्शन के मर्मज्ञ एवं सुप्रसिद्ध वरिष्ठ अभिभाषण विनय कुमार जैन निवासी गुना ने समलिंगिक विवाह की मांग पर अपने मुखर विचार व्यक्त किये हैं आपका कहना है जैन दर्शन में धारणा, ध्यान और समाधि के माध्यम से संसार के भव भ्रमण का नाश करते हुए मोक्ष पद की प्राप्ति करना ही व्यक्ति के जीवन का अंतिम लक्ष्य माना गया है। और इसके लिए सर्वोत्तम साधन अविवाहित रहते हुए ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना है लेकिन यदि किन्हीं परिस्थितियों के कारण व्यक्ति को अविवाहित रहना संभव न हो और उसे विवाह करना आवश्यक ही हो तो वह अपने वैवाहिक जीवन में एकनिष्ठ रहते हुए मुक्तिपथ का अनुगामी हो सकता है। जैन दर्शन में और भारतीय संस्कृति में वैवाहिक जीवन को गृहस्थाश्रम कहा गया है। इस अवस्था को गृहस्थ धर्म का पालन करना भी कहा गया है। विवाह का अर्थ काम- वासना में लिप्त हो जाना नहीं है, अपितु संयम की साधना करते हुए वंशवृद्धि के लिए उत्तम संतान को जन्म देना भी है, इस संतान को श्रेष्ठ संस्कार देना भी गृहस्थ धर्म का एक दायित्व है। जिससे वह संतान आगे चलकर धर्म वृद्धि करते हुए स्वयं का और अन्य जीवों का कल्याण कर सके। इस प्रकार स्थूल रूप में कहें तो वैवाहिक जीवन सदाचार को बढ़ावा देने के लिए वंश, समाज और धर्म की वृद्धि के लिए है तथा इसमें व्यभिचार का कोई स्थान नहीं है। इसके माध्यम से आदर्श सामाजिक जीवन जिया जाता है। इन दिनों समलिंगिक विवाह को सामाजिक और विधिक मान्यता देने के लिए बहुत आग्रह किया जा रहे हैं। किंतु यह आग्रह प्रथम दृष्टया ही दुराग्रह प्रतीत होते हैं क्योंकि वैवाहिक जीवन जिसे गृहस्थ धर्म का पालन करने की संज्ञा दी गई है केवल और केवल विपरीत लिंगधारी अर्थात स्त्री- पुरुष के मध्य ही संभव हो सकता है। दो समलिंगिक परस्पर एक दूसरे के अच्छे मित्र हो सकते हैं, वे एक दूसरे के जीवन यापन में भौतिक उन्नति प्रदान करने के लिए सहायक हो सकते हैं। और ब्रह्मचर्यपूर्वक रहते हुए एक दूसरे को धर्म पथ पर अग्रसर रहने में सहायक हो सकते हैं। वे साथ-साथ रहकर भी अच्छे नागरिक बने रह सकते हैं। परंतु ऐसे साथ-साथ रहने को विवाह नाम के पवित्र गठबंधन का नाम नहीं दिया जा सकता है। समलिंगिक विवाह को सामाजिक और विधिक मान्यता दिलाने की मांग जीवन में उच्च नैतिक आदर्शों की स्थापना करने के लिए नहीं है अपितु व्यभिचार को सामाजिक मान्यता दिलाने का दुराग्रह मात्र ही है। गृहस्थ धर्म का पालन करते हुए अपने वंश, धर्म और संस्कारों की रक्षा के लिए संतान उत्पत्ति का लक्ष्य भी समलिंगिक विवाह के द्वारा समाप्त ही हो जाएगा। अंग्रेजी शासन काल में लॉर्ड मैकाले ने गहन अध्ययन करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला था कि भारतीय संस्कृति में गुरुकुल पद्धति के माध्यम से शिक्षा और संस्कृति के जिन आदर्श संस्कारों का बीजारोपण करते हुए आदर्श नागरिकों का निर्माण किया जाता है, उन गुरुकुल को नष्ट किए बिना अंग्रेजी शासन को भारत वर्ष में बनाए रखना संभव नहीं है क्योंकि गुरूकुल की शिक्षा प्रणाली जीवन में आत्मोन्नति के संस्कार देती है और यह संस्कार गुलामी के बंधन में बांधे रखने में बहुत बाधक हैं अतः अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा पद्धति को आमूल चूल रूप से नष्ट किया और उसके दुष्परिणाम सामने आए। इसी प्रकार समलिंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग हमारे दर्शन और उच्च नैतिक जीवन के संस्कारों के हरे-भरे और घने वृक्ष की जड़ों पर प्रहार करने के समान है। ऐसी मांग के कुल्हाड़ों की धार को समय रहते ही नष्ट नहीं किया गया तो हमारे गृहस्थ धर्म को और उच्च नैतिक मापदंडों पर आधारित सामाजिक जीवन को शनैः शनैः नष्ट होने से कोई नहीं रोक सकेगा। दिल्ली उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एस एन ढींगरा का मत है समलिंगिक संबंध भारत में अपराध नहीं है हालांकि समाज इन्हें विवाहित जोड़े के रूप में न स्वीकारता है और ना ही ऐसे जोड़े को विवाहित जोड़ा कहने के योग्य मानता है। विवाह पति पत्नी के बीच की जिम्मेदारी है यह मानव जीवन का संस्कार है जो समाज को मजबूत करता है। श्री जयप्रकाश नारायण मिश्रा पी जी कॉलेज लखनऊ में समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर विनोद चंद्रा कहते हैं समलिंगिक विवाह को मान्यता जटिल मसला है एक ओर इस समुदाय के साथ समानता का तर्क है तो दूसरी ओर सामाजिक व्यवस्था। निस्संदेह इस दिशा में बहुत संभल कर ही किसी नतीजे पर पहुंचना होगा। वेनेशियन मेडिकल एसोसिएशन ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि समलिंगिक संबंध रखने वालों में एचआईवी एड्स का खतरा ज्यादा देखा गया है, इनमें नशे की लत, अवसाद, हेपेटाइटिस और यौन संचारित रोगों एसीडिटी के होने की आशंका भी ज्यादा देखी गई है। कुछ इस प्रकार के कैंसर का खतरा भी ऐसे लोगों में ज्यादा रहता है हालांकि एक वर्ग है जो ऐसी बहुत सी बीमारियों के लिए उन्हें समाज में स्वीकार्यता नहीं मिलने के कारण मानता है। सन 2008 में अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन ने समलिंगिकता और यौन इच्छा को लेकर कहा था इस बात को लेकर एक राय नहीं है कि यौन रुझान का कारण क्या है हालांकि कई शोध में पाया गया है कि आनुवंशिक एवं हार्मोन संबंधी कारण परवरिश सामाजिक एवं सांस्कृतिक माहौल से व्यक्ति की यौन इच्छा पर प्रभाव पड़ता है इसका कोई एक कारण नहीं है प्रकृति और परवरिश दोनों की ही इसमें भूमिका रहती है।

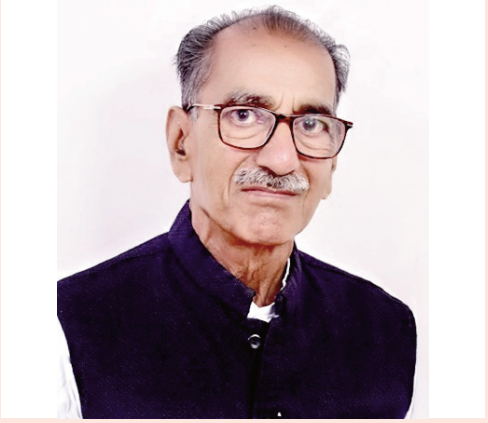

नोटः- लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीर जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं।

अतिथिगृह निर्माण कार्य का शुभारंभ एवं चातुर्मास मे विशेष सेवाएं देने वालों का सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्था, मानसरोवर, जयपुर मे अतिथिगृह के निर्माण कार्य का शुभारंभ आज 18 नवम्बर को हुआ। इस अवसर पर मानसरोवर श्रीसंघ के श्रावक-श्राविकाओ के अलावा कई गणमान्य अतिथिगणो की उपस्थित रही। जिसमे अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, आनंद जी सा चौपडा, भामाशाह अनिल कुमार अरूण कुमार रांका भी उपस्थित थे । संघाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार जैन 'राजा' ने उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओ का स्वागत किया। इस निर्माण कार्य मे सभी से सहयोग की अपील की। नवकार महामंत्र के उच्चारण के साथ शुभ मुहूर्त मे संघ संघाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार जैन राजा द्वारा समस्त कार्यकारिणी एवं उपस्थित गणमान्य सदस्यो की उपस्थिति मे निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रांका परिवार ने अपने पूज्य पिताजी की पुण्य स्मृति मे मानसरोवर श्री संघ को

अतिथिगृह के निर्माण कार्य हेतु 501000/- का सहयोग प्रदान किया तथा मानसरोवर श्री संघ के वरिष्ठ सदस्य दिनेश कुमार अभिषेक जैन ने 300000/- रू की राशि तथा भैरूलाल पारसमल , रमेशचंद जैन द्वारा 251000/- की राशि की घोषणा की गई। इस अवसर पर चातुर्मास मे सराहनीय सेवाऐ देने वाले बंधुओ का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री प्रकाश लोढ़ा ने किया तथा संघ उपाध्यक्ष धर्मचंद जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पुराने कपड़ों को करें जरूरतमंदों के लिये दान

बकानी के समाज सेवकों का गरीबों के लिये सहायता अभियान

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

बकानी। सर्दी की आहट के साथ गरीबों की सहायतार्थ अभियान चलाने के लिये समाजसेवा की भावना से लोग तैय्यारियों में जुट गये हैं । सर्दी के इस मौसम को देखते हुए समाजसेवक श्याम कुशवाह के आवास पर एक आवश्यक मीटिंग का आयोजन किया गया मौसम के प्रभाव से पीड़ित लोगों के बारे में चिंता करते हुए बचाव के लिये अभियान चलाने पर चर्चा की गई। निर्भीक पत्रकार एवं समाजसेवी श्याम कुशवाह बकानी एवं विपिन उपाध्याय भवानीमंडी ने उपस्थित लोगों की सर्वसम्मति से निर्णय लिया और रिश्तेदारों और दोस्तों से अपील की गई कि ठंड को देखते हुए अपने पुराने कपड़े, स्वेटर व कंबल अपने निजी वाहनो में रखे जिससे जहां भी कोई बच्चा, महिला, बुजुर्ग, गरीब ठंड से ठिठुरता मिले उसे दे देवें और बकानी व भवानीमंडी के अन्य समाजसेवी भाई जिनके पास समय का अभाव हो उनसे भी पुराने वस्त्र लेकर स्वयं जरुरतमंदो तक पहुंचाएं। ये भी निर्णय लिया गया कि कंबल, स्वेटर व कपडे. वितरण का किसी भी प्रकार का फोटो ना तो खींचा जायेगा ना प्रकाशित किया जायेगा क्योंकि कोरोना दौर में कई परिवार ऐसे थे जो अन्न के अभाव में बहुत परेशान हुए हैं लेकिन उन्होने फोटो के कारण अन्न दान नहीं लिया है। बल्कि उन्हें भी अन्न की बहुत आवश्यकता थी इसी कारण इस समाजसेवा व पुण्य के कार्य में आप सभी जन हमारा जनसहयोग करे व हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करें। इसके पहले भी इन समाजसेवियों ने बकानी व भवानीमंडी में बुक्स डिपो अभियान चलाकर बहुत से विद्यार्थियों को पुरानी बुक्स उपलब्ध करवाई थीं जिससे बहुत से विधार्थियो को शिक्षा का अवसर प्राप्त हुआ इसके अलावा समाजसेवको ने अपने अपने स्तर पर बकानी व भवानीमंडी में जरुरतमंदो को अन्न भी वितरण किया ये समाजसेवक समाज के हर क्षेत्र में कही ना कही समाज सेवा करते हुए अक्सर दिखाई देते हैं।

अजमेर पधारे गुजरात के कैबिनेट मंत्री बावलिया

अजमेर. शाबाश इंडिया। गुजरात सरकार के कैबिनेट मिनिस्टर कुंवर बावलिया शनिवार को अजमेर पहुंचे। अखिल भारतीय कोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गुजरात सरकार में जल संसाधन, जल आपूर्ति, खाद्य नागरिक आपूर्ति, पशुपालन एवं ग्रामीण आवास मंत्री कुंवर भाई मोहन भाई बावलिया ने इस दौरान कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। जानकारी देते हुए डॉक्टर मनोज कुमार बहरवाल ने बताया कि मंत्री बावलिया ने एक कार्यक्रम के दौरान 'मेरी माटी मेरा देश' पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि डिजिटलाइजेशन के इस दौर में पुस्तकों का लेखन एवं पठन-पाठन काबिले तारीफ है। मंत्री ने कहा कि पुस्तकों के लेखन में राष्ट्रवाद का भाव और भारत के भाव का होना अनिवार्य है। वर्तमान सांस्कृतिक संक्रमण के दौर में 'मेरी माटी मेरा देश' जैसी पुस्तक निश्चित रूप से समाज और पाठकों में भारत के स्वत्त्व का और स्वदेशी जागरण का काम करेंगे। इस अवसर पर अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी भी उपस्थित थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

बगदा में मोक्ष कल्याणक महोत्सव के साथ संपन्न हुआ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया

शमशाबाद रोड स्थित बरौली अहीर बगदा के आर.पी जैन फार्म हाउस में मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में 12 नवंबर से चल रहे पंचकल्याणक महोत्सव का समापन 17 नवंबर को मोक्षकल्याणक के साथ हुआ।जिसमें महोत्सव के अंतिम दिन मोक्ष कल्याणक मनायो जिसका शुभारंभ प्रतिष्ठाचार्य डॉ अभिषेक जैन शास्त्री एवं सह प्रतिष्ठाचार्य डॉ आकाश जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में इंद्रों ने श्रीजी का अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ किया।श्रीजी की शांतिधारा के बाद श्री चंद्रप्रभु भगवान को श्री सम्मेद शिखरजी से निर्वाण की प्राप्ति कर अग्नि कुमार देवों ने नख केश को अग्नि संस्कार के साथ विसर्जित करते हुए मोक्षकल्याणक की मांगलिक क्रियाएं संपन्न हुई। आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज एवं भगवान चंद्रप्रभु के चित्र का अनावरण आचार्य विद्यासागर नवयुवक मंडल के अध्यक्ष रोहित जैन और राहुल जैन राहुल विहार द्वारा किया गया साथ ही दीप प्रज्ज्वलन निर्मल जैन मोठया एवं अशोक जैन द्वारा किया गया ।तत्पश्चात सभी उपस्थित इंद्र-इंद्राणियों ने प्रतिष्ठाचार्य जी के कुशल निर्देशन में विश्व शांति के लिए हवन में आहुति देते हुए विश्व शांति महायज्ञ की कामना कर छह दिवसीय महोत्सव का समापन किया।महोत्सव के मध्य में सभी भक्तों को उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ने प्रभु के मोक्ष कल्याणक के महत्व को समझाया ।इसके बाद सौभाग्यशाली परिवारों ने आर.पी जैन फार्म हाउस से सभी 37 प्रतिमाओं को नवनिर्मित श्री चन्द्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर बगदा में पहुंचे जहां उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज के मंत्रोच्चारण के साथ सभी प्रतिमाओं को नवीन वेदी पर विधि विधान के साथ विराजमान किया गया।महोत्सव के समापन के अवसर पर भक्तों ने भगवान चंद्रप्रभु एवं भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा को रथ पर विराजमान कर श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर बगदा से उपाध्याय श्री के सानिध्य में बैंड बाजों के साथ श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर राहुल विहार तक शोभायात्रा निकाली गईं इस अवसर पर सुधीरकुमार जैन अनंत कुमार जैन,महेशचंद जैन, प्रदीप जैन,सुरेशचंद जैन,मनोज जैन, सुमन जैन,विवेक जैन,विशाल जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन,राहुल जैन, सहित बेलनगंज,छीपीटोला,कमला नगर,सेक्टर 4,मोती कटरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आचार्य श्री सुंदर सागर ससंघ के सानिध्य में श्री जिनसहस्त्रनाम एवं वेदी, शिखर शिलान्यास समारोह का शुभारंभ हुआ

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ मंदिर एवं सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में तिलक नगर स्थित यश विहार में आचार्य श्री सुंदर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री जिन सहस्त्रनाम विधान एवं वेदि, शिखर शिलान्यास समारोह का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष दिनेश सेठिया ने बताया कि प्रातः मुनि ससंघ सुभाष नगर से विहार कर यश विहार पहुंचने पर महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश लिए भव्य अगवानी की। 51 महिलाओं ने सिर पर कलश लिए घट यात्रा कर यश विहार पहुंची। यश विहार प्रांगण में थालियो पर आचार्यश्री का श्रावकों द्वारा बारी-बारी से पादपक्षालन किया। आचार्य श्री के सानिध्य में पंडित सुनील शास्त्री मानपुरा के निर्देशन में मंत्रोचार द्वारा विधि-विधान पूर्वक सोमेश, विनोद जैन परिवार ने ध्वजारोहण किया। सज्जन लाल काला परिवार द्वारा मंडप का फीता काटकर उद्घाटन किया। श्रावक श्रीजी लिए, आचार्य ससंघ, समाजजन मंडप के भीतर पहुंचे। मंच पर श्री पार्श्वनाथ भगवान को गंधकुटी पर विराजित किया। महिलाओं ने मंगल कलश जल से मंडप की शुद्धि करी। इस दौरान जाप्यानुष्ठान, इंद्रप्रतिष्ठा, मंदिर प्रतिष्ठा कार्य हुए। मंच पर आचार्यश्री ससंघ विराजित हुए। आचार्य श्री का प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट किये । पद्मावती महिला मंडल ने मंगलाचरण किया। तत्पश्चात आचार्य श्री ने संबोधित करते हुए कहा कि आत्मा का कल्याण वितराग शासन से ही होगा। मुनि बनने पर ही केवल ज्ञान की प्राप्ति होगी। उसके लिए सम्यक दर्शन की आवश्यकता होगी। आज जहां समोशरण में जिनेंद्र देव का दर्शन कर रहा हो, यह बड़ा अहोभाग्य है। तिलक नगर में नव मंदिर का निर्माण हो रहा है।

उपाध्याय विहसंत सागर जी महाराज के सानिध्य में कटरा वजीर खां मन्दिर जी मे नवीन जिनबिम्ब विराजमान कार्यक्रम हुआ संपन्न

आगरा. शाबाश इंडिया। 18 नवंबर को आगरा के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कटरा वजीर खां में मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में श्री आदिनाथ भगवान एव मुनिसुव्रतनाथ स्वामी जिनविंब स्थापना महामहोत्सव का विधानाचार्य पंडित सौरभ शास्त्री के कुशल निर्देशन में बहुत ही भक्तिभाव के साथ संगीतमय वातावरण में मास्टर सुनहरी लाल जैन ट्रस्ट एवं सकल समाज के सहयोग से संपादित हुआ जिसमें सर्वप्रथम भक्तों ने कार्यक्रम का शुभारंभ नेमिनाथ उद्यान जैन मंदिर से श्रीजी की प्रतिमाओं को पालकी पर विराजमान कर भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। शोभायात्रा के मंदिर पहुंचकर सौभाग्यशाली भक्तों ने उपाध्यायश्री के मुखारविंद से उच्चरित मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी प्रतिमाहों की वृहद शांतिधारा संपन्न की। तत्पश्चात इंद्र इंद्राणियों ने विधानाचार्य श्री सौरभ जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्री शांतिनाथ महामंडल विधान संपन्न कियोविधान के मध्य में ही सभी भक्तों को उपाध्यायश्री की मंगलवाणी सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके बाद आदिनाथ भगवान की प्रतिमा को विराजमान करने का सौभाग्य रूपेश जैन -संगीता जैन वैभव जैन परिवार एवं मुनिसुव्रतनाथ भगवान की प्रतिमा को संजीव जैन- शमा जैन हृदेश जैन परिवार को प्राप्त हुआ। जिसमें सभी परिवारों ने उपाध्यायश्री के मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से श्रीजी की प्रतिमाओं को विराजमान किया गया। इसके साथ ही मंगल कलश स्थापना श्रीमती सुनीता जैन, झंडारोहण रमेशचंद्र जैन परिवार इंदिरापुरम को प्राप्त हुआ।इस अस्तर पर सौभाग्यशाली भक्तों ने आचार्य विरासागर जी महाराज एवं भगवान पारसनाथ के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्ज्वलन कियोइस महोत्सव में सौधर्म इंद्र राकेश जैन कविता जैन, कुबेर इंद्र योगेश जैन चांदनी जैन ईशान इंद्र अमित जैन गीता जैन प्राप्त हुओकार्यक्रम का संचालन गौरव जैन चौधरी द्वारा किया गया।

श्री जैन दिवाकर बालिका मण्डल का हुआ गठन

निशि बाफना बनी अध्यक्ष, पलक सुराणा मंत्री निर्वाचित

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री जैन दिवाकर संघ ब्यावर एवं श्री जैन दिवाकर महिला मंडल के तत्त्वावधान में श्री जैन दिवाकर नवयुवक मण्डल एवं श्री जैन दिवाकर बहु मण्डल के प्रस्ताव से जैन दिवाकर बालिका मण्डल का गठन किया गया। जैन दिवाकर नवयुवक मंडल के अध्यक्ष दीपक बाफना ने बताया कि संघ की नन्ही बालिकाओ के द्वारा धर्म प्रभावना हेतु बालिका मण्डल का गठन किया गया। सभी ने सर्वसम्मति से निशि बाफना को अध्यक्ष एवं पलक सुराणा को मंत्री नियुक्त किया गया। स्वाति बाफना ने बताया कि विद्या छल्लानी, सज्जन गादीया, सुशीला लोढ़ा, शकुन्तला छल्लानी को संरक्षक, आनवी लोढ़ा को कोषाध्यक्ष, सुरभि रांका को सहमंत्री, खुशी खींचा को प्रचार - प्रसार मंत्री एवं अदिशा मुणोत को संगठन मंत्री नियुक्त किया गया। इस अवसर पर दिवाकर संघ अध्यक्ष देवराज लोढ़ा एवं महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला लोढ़ा ने नव निर्वाचित बालिका मण्डल के पदाधिकारियों को बधाई देते हुई बालिका मण्डल की सदस्याओं को देव गुरु धर्म की आराधना करते हुए साधु साध्वी भगवंत सेवा एवं समाज हेतु बढ़ चढ़ कर कार्य करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर हेमंत बाबेल, मंजुला जांगड़ा, राजेश छल्लानी, संध्या छल्लानी, रचना कोठारी, आरवी कोठारी, विदिशा जैन, अदिशा जैन, ऐश मोदी, निशि बाफना, छवि बाफना, स्वाति बाफना, डिंपल श्रीश्रीमाल, पलक सुराणा, खुशी खींचा, आनवी लोढ़ा, प्रियांशी गांधी, नव्या छल्लानी, धनवर्षा रांका, भूमि रांका, प्रियांशी बाफना आदि उपस्थित थे।

कालबेलिया परिवार के 51 बच्चो को वस्त्र की सेवा दी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था एवम राष्ट्रीय स्वयं सेवा संघ की शाखा राष्ट्र सेविका समिति अजयमेरू विभाग के संयुक्त तत्वावधान में समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन अतुल पाटनी एवं मधु पाटनी के साथ अन्य भामाशाहों के सहयोग से घुघरा क्षेत्र में अस्थाई रूप से रह रहे कालबेलिया बस्ती में 51 बच्चो को वस्त्र की सेवा प्रदान की गई। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में आवश्यकता अनुरूप सेवा के अंतर्गत राष्ट्रीय सेविका समिति की विभाग कार्यवाहिका श्रीमती मंजू लालवानी, सीमा पाराशर जिला कार्यवाहिका रामकन्या देवी गहलोत एवं माधव शाखा के प्रशिक्षक गिरधर सेन, स्वयंसेवी महेश कुमार एवं हनुमान कॉलोनी के स्वयंसेवकों द्वारा सेवा के वितरण के कार्य में सहयोग किया गया।

कार्यकारिणी बैठक का हुआ आयोजन, प्रदर्शनी को लेकर तैयारियां तेज

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। लघु उद्योग भारती ब्यावर की कार्यकारिणी बैठक अध्यक्ष सचिन नाहर के रीको स्थित कार्यालय पर संपन्न हुई । बैठक का प्रारंभ संगठन मंत्र के उच्चारण से हुआ । सर्वप्रथम सभी सदस्यों द्वारा गत बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया । तत्पश्चात अध्यक्ष सचिन नाहर ने आगामी 9-10-11 दिसंबर को जयपुर में होने जा रहे राइजिंग राजस्थान समिट के सदर्भ में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि हम सभी सदस्यों के लिए गौरव का विषय है कि राज्य सरकार के इतने बड़े आयोजन की जिम्मेदारी लघु उद्योग भारती को मिली है । उन्होने जोर देकर कहा कि 11 दिसंबर को टरटए कोन्क्लेव में हमारी इकाई के सदस्यों की अधिकतम उपस्थिति के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करना चाहिए । इस हेतु ब्यावर से प्रातः 4 बसों द्वारा सामूहिक रूप से जयपुर प्रस्थान किया जाएगा। आगे उन्होने बताया कि 15 दिसंबर को पारिवारिक स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन होना तय है । बैठक में अजय खंडेलवाल, रमेश भराडिया, रवि झंवर, कार्तिक झंवर, सुनील इनाणी, अनिकेत अंबुरे, जय आनंदानी, प्रशांत पाबुवाल, भुवनेश जांगिड़, पीयूष हेड़ा, गौरव मूँदड़ा, अखिलेश मूँदड़ा सहित महिला इकाई से अध्यक्षा अर्पिता शर्मा, सचिव उर्वशी भारद्वाज, कोषाध्यक्ष रश्मि खंडेलवाल और श्वेता नाहर उपस्थित रही ।

उत्तम जैन को पद्मभूषण डी आर मेहता ने किया सम्मानित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया। जयपुर ।जस्टिस नगेंद्र कुमार जैन फाउंडेशन ट्रस्ट की और से जयपुर में आयोजित सम्मान समारोह में उम्मीद हेल्पलाइन फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं दिव्यांग जगत के सम्पादक उत्तम जैन को दिव्यांगो के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए पद्मभूषण से सम्मानित ,भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक एवं पूर्व कब्र डी आर मेहता ने प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में देशभर की 108 प्रतिष्ठित प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि उत्तम चंद जैन पिछले एक दशक से अधिक समय से दिव्यांगो के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इन्हीं कार्यों के कारण उत्तम जैन को राज्य सरकार द्वारा 2 बार सम्मानित किया जा चुका है।

सखी गुलाबी नगरी

खम्मा घणी

SAKHI GULABI NAGARI
PRESENTS

राजस्थानी हो आपका वेश–पधारो म्हारे देश

Fragrance of Grace

Gift Hamper Sponsored by
SHYAM KITCHEN MASALE

PSJ JEWELLERS
DIAMOND KUNDAN GOLD SILVER

- VENUE -
Rajasthan International Centre
Near OTS Circle

Tuesday, 19th November 2024

Chief Guest
Dr. MANJU BAGHMAR
Minister of State of PWD
Women & Child Development Department in Govt. of Raj.

Lamp Lightening
TEJASWINI GAUTAM
IPS
DCP East Jaipur

Guest of Honor
Mrs. MAMTA AGARWAL
Director
Shyam Dhani Industries Limited

PROGRAM SCHEDULE

Registration
12:30 pm Onwards

Fellowship with High Tea
12:30 to 2:00 pm

Deep Prajjavalan
2:00 pm

Presentation on Women Empowerment
2:00 pm

Tea Coffee with Cultrual Program
3:30 pm to 5:00 pm

Dinner
5:00 pm to 6:30 pm

Housie with Masti Dhamaal
6:00 pm to 7:00 pm

Alisha Jain
Brand Ambassador

Anila Kothari
Patron

Ritu Kasliwal
Patron

Kusum Sanghi
Patron

Mamta Sogani
Patron

Rakhi Gangwal
Patron

अध्यक्ष – सारिका जैन सचिव – स्वाति जैन

अनिता जैन उपाध्यक्ष
सुषमा जैन उपाध्यक्ष
ममता सेठी संयुक्त मंत्री
मोनिका जैन संयुक्त मंत्री
रितु जैन संयुक्त मंत्री
नेहा जैन कोषाध्यक्ष
मनीषा जैन सांस्कृतिक मंत्री
रेशमा गोदीका बीटिंग कॉर्डिनेटर
आशा जैन पी.आर.ओ.

कार्यकारिणी सदस्य

अंशु जैन इंदु जैन नीलू जैन निकिता जैन रानी पाटनी सुनीता जैन सुनीता कसेरा सरोज जैन दिव्या जैन

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा दीपावली मिलन समारोह उल्लास के साथ संपन्न हुआ। संस्थापक अध्यक्ष राकेश समता गोदिका ने बताया कि सेल्फी रेस्टोरेंट सांगानेर में आयोजित कार्यक्रम में सदस्यों को मनोरंजक गेम्स खिलाए गए। अध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या व सचिव राजेश- रानी पाटनी के अनुसार कार्यक्रम के समन्वयक राकेश - रेणु संघी, अनिल - ज्योति जैन चौधरी तथा संयोजक नितेश - मीनू पांड्या, रमेश - विनीता लुहाड़िया तथा विमल - शिमला जैन थे। कोषाध्यक्ष दिलीप - प्रमिला पाटनी ने बताया कि सदस्यों को कार्यक्रम में मनोरंजक गेम्स के साथ साथ रोचक दीपावली हाऊजी भी खिलाई गई।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज हम शिष्यों व भक्तों के पुण्य से आचार्य बनेः निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

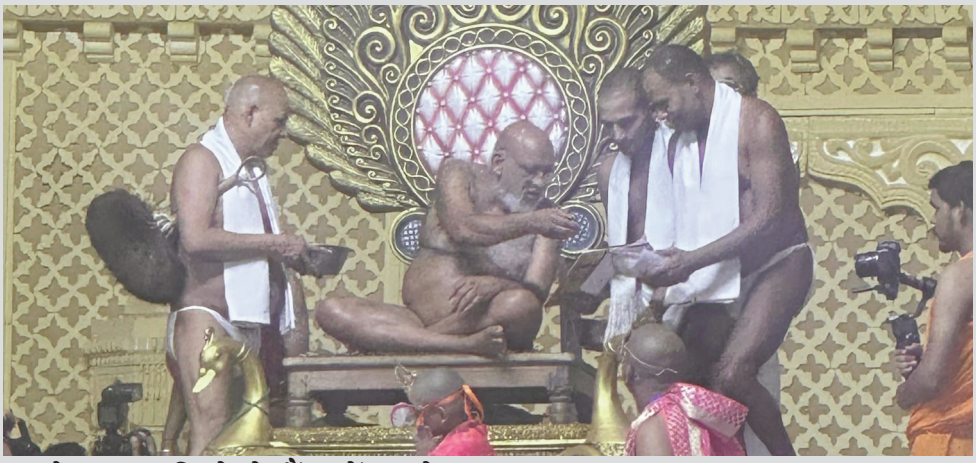

अशोक नगर जिले से सैंकड़ों बच्चे ने किए संस्कार ग्रहण

मौजी वंधन संस्कारोहण समारोह में उमड़ा जनसैलाब सात हजार से अधिक वच्चो ने लिए संस्कार

सागर. शाबाश इंडिया

महान आदमी दो प्रकार के होते हैं एक वह जो अपने आप में महान होते हैं, वह अपनी साधना, अपनी तपस्या, अपने पुण्य से आगे बढ़ते हैं। दूसरे महान आत्मा वो होते हैं जो निमित्त की शक्ति से महान बनते हैं, निमित्त की शक्ति उपादान शक्ति को जाग्रत करती है। निमित्त का अपने आप में इतना बड़ा पुण्य होता है कि महान आत्मा की उस शक्ति को जागरण करता है, जो शक्तियाँ उनमे थी लेकिन वे स्वयं जागृत नहीं कर पाते, जैसे तीर्थंकर प्रकृति है वह प्रकृति कभी आत्मकल्याण भाव से नहीं जागेगी, वह भव्य जीवों के पुण्य से तीर्थंकर की शक्ति किसी आत्मा में जागती है। वह महावीर स्वामी का पुण्य नहीं है, वह पुण्य भक्तों के पुण्य से उनको इस प्रकार का पुण्य बंध जाता है मैंने आचार्य श्री से कहा था कि आप मुनि बने हो, अपने पुण्य से व पुरुषार्थ से लेकिन आचार्य बने हो वो हम सब भक्तो के पुण्य से बने हो। हम लोगों की भवितव्यता ने एक मुनि महाराज को आचार्य पद पर प्रतिष्ठापित किया उक्त आश्य केउद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में आचार्य पद दिवस पर मौजी वंधन संस्कारोहण समारोह को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

अभुतपूर्व सफलता के साथ हुआ मौजी वंधन संस्कारोहण समारोह : विजय धुर्रा

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आज का दिन बहुत विशेष बन गया है , अशोक नगर जिले से सैंकड़ों बच्चे इस संस्कारोहण समारोह भाग लेने आए है दो दिन पहले अड़तालीस सौ नाम आने के बाद जिज्ञासा समाधान में संचालक कह रहे थे अब कोई नया बालक ना आयें लेकिन परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के प्रति देशभर के भक्तों का विश्वास है कि इस दरवाजे से कभी कोई खाली हाथ नहीं जाता जो भी गुरु चरणों में आ जाता है उसका सौभाग्य जागता ही है। कल शाम को सिरोंज से फिर शिवपुरी से और कई अन्य स्थानों से भक्तों के फोन आये भ इया हमने रजिस्ट्रेशन नहीं काराया है अब क्या करें तो मैंने विश्वास के साथ कहा कि गुरु देव के दरवार से खाली नहीं लौटता और जब शाम को अंतिम गिनती हुई तो अपना विश्वास सच में बदल गया सात हजार से अधिक बच्चो को परम पूज्य गुरुदेव ने अपने कर कमलों से संस्कारित किया ।इसके लिए सागर समाज और पूरी चातुर्मास कमेटी,आयोजन समिति धन्यवाद की पात्र है ।

तीर्थंकर पद आचार्य पद नैमित्तिक पद हैं :

उन्होंने कहा कि तीर्थंकर पद आचार्य पद ये नैमित्तिक पद हैं, ये आत्मकल्याण में किंचित मात्र भी साधक नही है। हम उत्तरवासियों का इतना पुण्य था कि दक्षिण में जन्म लेने वाला व्यक्ति उत्तर में आकर संत शिरोमणि के रूप में विचरण करने लगे आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज का सन 1968 तक आचार्य बनने का किंचित मात्र भी विचार नही था, जब उन्होंने मुनि विद्यासागर का सारा व्यक्तित्व, सारा ज्योतिष देखा तो देखकर उन्होंने मन बना लिया। जो अच्छे साधु होते है उन्हें आचार्य पद के लिए मनाना पड़ता है, समाज, सब संघ मनाता है। प्रायः प्रायः मूल आचार्य पद संघो ने बनाये है। पूज्य आचार्य शांतिसागर जी महाराज को उन्ही के दीक्षित साधुओ ने आचार्य बनाया था क्योंकि कोई परम्परा नही थी।